चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.5.23	3	1-2

चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य अधिकारीगण।

किसान हितैषी थे चौधरी चरण सिंह : प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 36वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके दिखाए मार्गों पर चलने के लिए प्रेरित भी किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विलक्षण प्रतिभाओं के धनी थे। साथ ही वे एक ईमानदार, महान विचारक तथा किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। ग्रामीण परिवेश में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली प्रकार समझते थे, इसलिए वे जीवनपर्यन्त किसानों व कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते हुए उनके उत्थान के लिए संघर्षशील रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों व वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.5.23	2	5

किसान हितैषी थे चौधरी चरण सिंह : वाइस चांसलर

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 36वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे। उन्होंने एचएयू परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विलक्षण प्रतिभाओं के धनी थे। साथ ही वे एक ईमानदार, महान विचारक तथा किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। गरीबों की समस्याओं से भी वे भली-भांति वाकिफ थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों व वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.5.23	3	7-8

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 36वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनके दिखाए मार्गों पर चलने के लिए प्रेरित भी किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि चौधरी चरण सिंह किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली प्रकार समझते थे । जीवन पर्यन्त किसानों व कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते हुए उनके उत्थान के लिए संघर्षशील रहे। विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों व वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	29.05.2023	--	--

किसान हितैषी थे चौधरी चरण सिंह : प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 मई (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 36वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनके दिखाए मार्गों पर चलने के लिए प्रेरित भी किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विलक्षण प्रतिभाओं के धनी थे। साथ ही वे एक ईमानदार, महान विचारक तथा किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। ग्रामीण परिवेश में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली प्रकार समझते थे इसलिए वे जीवनपर्यन्त किसानों व कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते हुए उनके उत्थान के लिए संघर्षशील रहे। उन्होंने कहा पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि देश के विकास का रास्ता गांवों व खेत खलिहानों से होकर गुजरता है। वे कहते थे यदि किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक होगी तो ग्रामीण क्षेत्र की क्रय शक्ति बढ़ेगी जिससे देश की उन्नति होगी। इसलिए उन्होंने किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री व प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने देश के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का निर्माण कर उन्हे क्रियान्वित किया। प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों व वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.05.2023	--	--

पूर्व प्रधानमंत्री की 36वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 36वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनके दिखाए मार्गों पर चलने के लिए प्रेरित भी किया। प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास एवं किसानों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों व वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.5.23	4	3-5

स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने की जरूरत : प्रो. कांबोज

किसानों और आमजन को जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि को लेकर किया जागरूक

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि श्री अन्न व दालों में जलवायु अनुकूल फसल प्रजनन के लिए आनुवांशिक सुधार का दायरा बढ़ाना होगा। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव व इसको कम करने के लिए जलवायु स्मार्ट कृषि को बढ़ाना देना होगा।

केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार 22 से 28 मई तक पर्यावरण के लिए लाइफ स्टाइल मिशन के तहत 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से किसानों व आमजन को जागरूक किया गया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि पर्यावरण परिवर्तन की समस्याओं का निवारण पर्यावरण अनुकूल हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से ही संभव है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान मौजूद वैज्ञानिक। संवाद

जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों व उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। वैज्ञानिकों ने बताया कि मोटे अनाज वैश्विक खाद्य सुरक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। कार्यक्रम में डॉ. अनिल ढाका, डॉ. प्रवीन कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. अनिल दूहन, डॉ. सतपाल, डॉ. अनिल, डॉ. नीलम, डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.5.23	4	7-8

एचएयू में जागरूकता अभियान का आयोजन

एचएयू में आयोजित जागरूकता अभियान कार्यक्रम के दौरान मौजूद सस्य विज्ञान व मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक। ●विज्ञप्ति

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि 22 से 28 मई के बीच 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यशाला, जागरूकता अभियान व प्रचार गतिविधियों के माध्यम से किसानों व आमजन को स्वच्छ पर्यावरण बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इसी कड़ी में सस्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर साप्ताहिक जागरूकता अभियान के तहत 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अन्य वैज्ञानिकों ने बढ़ते औसत तापमान व कार्बन-डाईक्साइड के स्तर से होने वाले दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में डा. अनिल ढाका, डा. प्रवीन कुमार, डा. वीरेंद्र हुड्डा, डा. अनिल दूहन, डा. सतपाल, डा. अनिल, डा. नीलम, डा. आरएस दादरवाल, डा. कौटिल्य चौधरी, डा. नितिन भारद्वाज, डा. कविता, डा. पी कीर्ति, डा. निधि काम्बोज, व डा. एकता काम्बोज भी मौजूद रहे। (जांस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.5.23	4	1-3

जागरुकता अभियान कार्यक्रम के दौरान मौजूद सस्य विज्ञान व मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक।

अनुकूल व स्मार्ट कृषि विषय पर जागरुकता अभियान चलाया

हिसार, 29 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार पर्यायवरण के लिए लाइफ स्टाइल मिशन के तहत 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यशाला, जागरुकता अभियान व प्रचार गतिविधियों के माध्यम से किसानों व आमजन को स्वच्छ पर्यावरण बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि इस जागरुकता अभियान में श्रीअन्न व दालों में जलवायु अनुकूल फसल प्रजनन और आनुवांशिक सुधार का दायरा, किसान समुदायों के बीच जलवायु अनुकूल व जलवायु स्मार्ट कृषि पद्धतियों को अपनाने में चुनौतियां, भारत में विभिन्न कृषि पारिस्थितिक तंत्रों पर जलवायु

जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली वैश्विक चुनौतियों व उनके समाधान पर की चर्चा

परिवर्तन का प्रभाव व इसको कम करने के उपाय, श्रीअन्न के लिए अगली पीढ़ी की जलवायु स्मार्ट कृषि और जलवायु स्मार्ट कृषि को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषयों पर वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा मंथन किया गया।

कार्यक्रम में अन्य वैज्ञानिकों ने बढ़ते औसत तापमान व कार्बन-डाईक्साइड के स्तर से होने वाले दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने शमन के उपाय व ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने पर भी जोर दिया। जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली वैश्विक चुनौतियों व उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। वैज्ञानिकों ने बताया कि कुछ जरूरी बातों का ध्यान में रखकर मोटे अनाज वैश्विक खाद्य सुरक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इसके अलावा बढ़ते जल संकट जैसी समस्याओं के चलते हम भविष्य में भी श्रीअन्न किस तरह पर्यायवरण अनुकूल फसलें उगा सकते हैं।

इस कार्यक्रम में डॉ. अनिल ढाका, डॉ. प्रवीन कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. अनिल दूहन, डॉ. सतपाल, डॉ. अनिल, डॉ. नीलम, डॉ. आर.एस. दादरवाल, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. कविता, डॉ. पी.कीर्ति, डॉ. निधि काम्बोज, व डॉ. एकता काम्बोज भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.5.23	5	5-6

एचएयू में अनुकूल और स्मार्ट कृषि विषय पर जागरूकता अभियान आयोजित

हिसार, 29 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार 22 से 28 मई के अंतराल में पर्यायवरण के लिए लाइफ स्टाइल मिशन के तहत 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यशाला, जागरूकता अभियान व प्रचार गतिविधियों के माध्यम से किसानों व आमजन को स्वच्छ पर्यावरण बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इस जागरूकता अभियान में श्रीअन्न व दालों में जलवायु अनुकूल फसल प्रजनन और आनुवांशिक सुधार का दायरा, किसान समुदायों के बीच जलवायु अनुकूल व जलवायु स्मार्ट कृषि पद्धतियों को अपनाने में चुनौतियों, भारत में विभिन्न कृषि पारिस्थितिक तंत्रों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव व इसको कम करने के उपाय, श्रीअन्न के लिए अगली पीढ़ी की जलवायु स्मार्ट कृषि और जलवायु स्मार्ट कृषि को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषयों पर वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा मंथन किया गया। कुलपति ने बताया कि इसी कड़ी में सस्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पर्यायवरण दिवस पर साप्ताहिक जागरूकता अभियान के तहत 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि कुलपति के मार्गदर्शन में 22 से 28 मई तक यह जागरूकता अभियान चलाया गया। वर्तमान समय में पर्यायवरण परिवर्तन की स्थिति उत्पन्न हुई है, उसमें कहीं ने कहीं मानवीय गतिविधियों से अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा हो गई है। इन समस्याओं का निवारण पर्यायवरण अनुकूल हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से ही संभव है, जिससे हम पर्यायवरण को स्वच्छ बना सकते हैं। इसी प्रकार अन्य वैज्ञानिकों ने भी पर्यायवरण को स्वच्छ बनाने के लिए अपने-अपने विचार व्यक्त कर निवारण भी बताए। कार्यक्रम में अन्य वैज्ञानिकों ने बढ़ते औसत तापमान व कार्बन-डाईक्साइड के स्तर से होने वाले दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.5.23	2	4

जलवायु परिवर्तन से होने वाली वैश्विक चुनौती व समाधान पर चर्चा

हिसार| एचएयू द्वारा भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार पर्यावरण के लिए लाइफ स्टाइल मिशन के तहत 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यशाला, जागरूकता अभियान व प्रचार गतिविधियों के माध्यम से किसानों व आमजन को स्वच्छ पर्यावरण बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में वाइस चांसलर प्रो. बी.आर.काम्बोज, डॉ. अनिल ढाका, डॉ. प्रवीन कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. अनिल दूहन, डॉ. सतपाल, डॉ. अनिल, डॉ. नीलम आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.05.2023	--	--

एचएयू में अनुकूल व स्मार्ट कृषि विषय पर जागरूकता अभियान का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार 22 से 28 मई के अंतराल में पर्यायवरण के लिए लाइफ स्टाइल मिशन के तहत 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यशाला, जागरूकता अभियान व प्रचार गतिविधियों के माध्यम से किसानों व आमजन को स्वच्छ पर्यावरण बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इस जागरूकता अभियान में श्रीअन्न व दालों में जलवायु अनुकूल फसल प्रजनन और आनुवांशिक सुधार का दायरा, किसान समुदायों के बीच जलवायु अनुकूल व जलवायु स्मार्ट कृषि पद्धतियों को अपनाने में चुनौतियों, श्रीअन्न के लिए अगली पीढ़ी की जलवायु स्मार्ट कृषि और जलवायु स्मार्ट कृषि को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषयों पर वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा मंथन किया गया।

एचएयू में आयोजित जागरूकता अभियान कार्यक्रम के दौरान मौजूद सस्य विज्ञान व मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक।

सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि वर्तमान समय में पर्यायवरण परिवर्तन की स्थिति उत्पन्न हुई है, उसमें कहीं ने कहीं मानवीय गतिविधियों से अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा हो गई है। इन समस्याओं का निवारण पर्यायवरण अनुकूल हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से ही संभव है, जिससे हम पर्यायवरण को स्वच्छ बना सकते हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. अनिल ढाका, डॉ. प्रवीन कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. अनिल दूहन, डॉ. सतपाल, डॉ. अनिल, डॉ. नीलम, डॉ. आर.एस. दादरवाल, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. कविता, डॉ. पी.कीर्ति, डॉ. निधि काम्बोज, व डॉ. एकता काम्बोज भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	29.05.2023	--	--

एचएयू में अनुकूल और स्मार्ट कृषि विषय पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 29 मई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार 22 से 28 मई के अंतराल में पर्यावरण के लिए लाइफ स्टाइल मिशन के तहत 'जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यशाला, जागरूकता अभियानव प्रचार गतिविधियों के माध्यम से किसानों व आमजन को स्वच्छ पर्यावरण बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इस जागरूकता अभियान में श्रीअन्न व दालों में जलवायु अनुकूल फसल प्रजनन और आनुवांशिक सुधार का दायरा, किसान समुदायों के बीच जलवायु अनुकूल व जलवायु स्मार्ट कृषि पद्धतियों को अपनाने में चुनौतियों, भारत में विभिन्न कृषि पारिस्थितिक तंत्रों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव व इसको कम करने के उपाय, श्रीअन्न के लिए अगली पीढ़ी की जलवायु स्मार्ट कृषि और जलवायु स्मार्ट कृषि को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषयों पर वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा मंथन किया गया। कुलपति ने बताया कि इसी कड़ी में सस्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर साप्ताहिक जागरूकता अभियान के तहत ''जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि कुलपति के मार्गदर्शन में 22 से 28 मई तक यह जागरूकता अभियान चलाया गया। वर्तमान समय में पर्यावरण परिवर्तन की स्थिति उत्पन्न हुई है, उसमें कहीं ने कहीं मानवीय गतिविधियों से अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा हो गई है। इन समस्याओं का निवारण पर्यावरण अनुकूल हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से ही संभव है, जिससे हम पर्यावरण को स्वच्छ बना सकते हैं। इसी प्रकार अन्य वैज्ञानिकों ने भी पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए अपने-अपने विचार व्यक्त कर निवारण भी बताए। कार्यक्रम में अन्य वैज्ञानिकों ने बढ़ते औसत तापमान व कार्बन-डाईऑक्साइड के स्तर से होने वाले दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने शमन के उपाय व ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने पर भी जोर दिया। जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली वैश्विक चुनौतियों व उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। वैज्ञानिकों ने बताया कि कुछ जरूरी बातों का ध्यान में रखकर मोटे अनाज वैश्विक खाद्य सुरक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इसके अलावा बढ़ते जल संकट जैसी समस्याओं के चलते हम भविष्य में भी श्रीअन्न किस तरह पर्यावरण अनुकूल फसलें उगा सकते हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. अनिल ढाका, डॉ. प्रवीन कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. अनिल दूहन, डॉ. सतपाल, डॉ. अनिल, डॉ. नीलम, डॉ. आर.एस. दादरवाल, डॉ. कौटिल्य चौधरी डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. कविता, डॉ. पी.कीर्ति, डॉ. निधि काम्बोज, व डॉ. एकता काम्बोज भी मौजूद रहे।